00DD 313349

हम कि श्रीमती नवमल्लिका देवी पत्नी
श्री गोमती प्रसाद निवासी मोहल्ला रायगंज
शहर गोरखपुर की हैं।

चूंकि हम मुकिरा जमीन जैल की मालिक
काबिज दखील हूँ और जमीन जैल को बेचने
का अधिकार है। इसलिए बगरज नीज़
जरूरियात जमीन का बेचना आवश्यक है
इसलिए हम मुकिरा ने अपनी

नौमल्लिका देवी

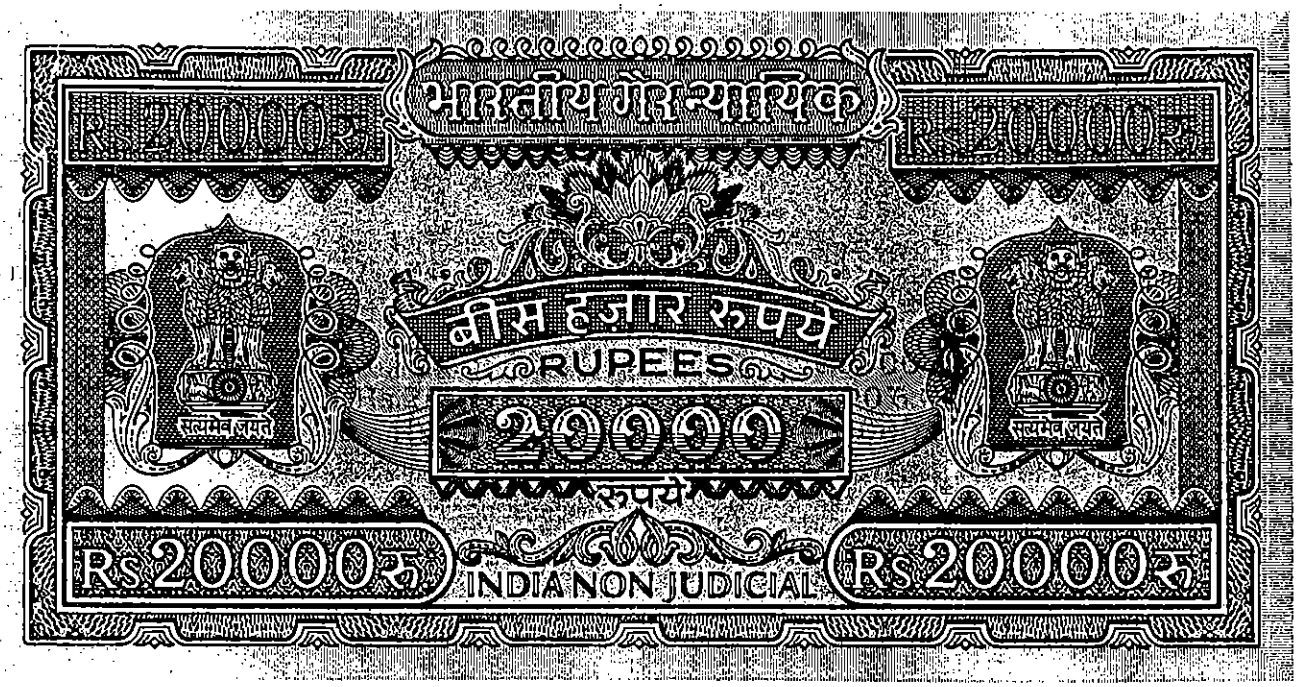

भारतीय गैर न्यायिक

Rs 20000 रु Rs 20000 रु

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

सत्यमेव जयते सत्यमेव जयते

Rs 20000 रु INDIA NON JUDICIAL Rs 20000 रु

00CC 320077

खुशी व रजामन्दी बदुरुस्ती होशो व
हवास अपने बिला जब्र व दबाव किसी
दूसरे के अधीन मैंने जो हस्तांतरण के
बाद इन्तकालात से कतई पाक व
साफ है को बकीमत मु0 90,000)
नब्बे हजार रुपया कि आधा जिसका
मु0 45000) पैंतालिस हजार रुपया होता
है बहक व बदस्त श्री डा0 अरुण
चन्द पुत्र श्री मारकण्डेय चन्द निवासी
7- सिविल लाइन्स गोरखपुर गोरखपुर
बेचा व बयनामा करके आज की तारीख

नौमीलाल का दीवी

INDIA NON JUDICIAL

१000 रु.   Rs. 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

से अपना कब्जा दखल उठाकर मुश्तरी
को उस पर काबिज व दखील करा
दिया चाहिए कि मुश्तरी हमारा नाम
खारिज कराकर अपना नाम दर्ज कागजात
सरकारी में करा लेवे और मुश्तरी
पुश्त उस पर काबिज दखील रहे
कर भोग-मुगुत किया करे, मकान
बनवाये या जो चाहे सो करे। अगर
बवजह से कुछ या कि कुल हम
मुकिर जमीन मै कुल या जुज्या
कुल भाग कब्जा दखल मुश्तरी

नौमल्लिका देवी

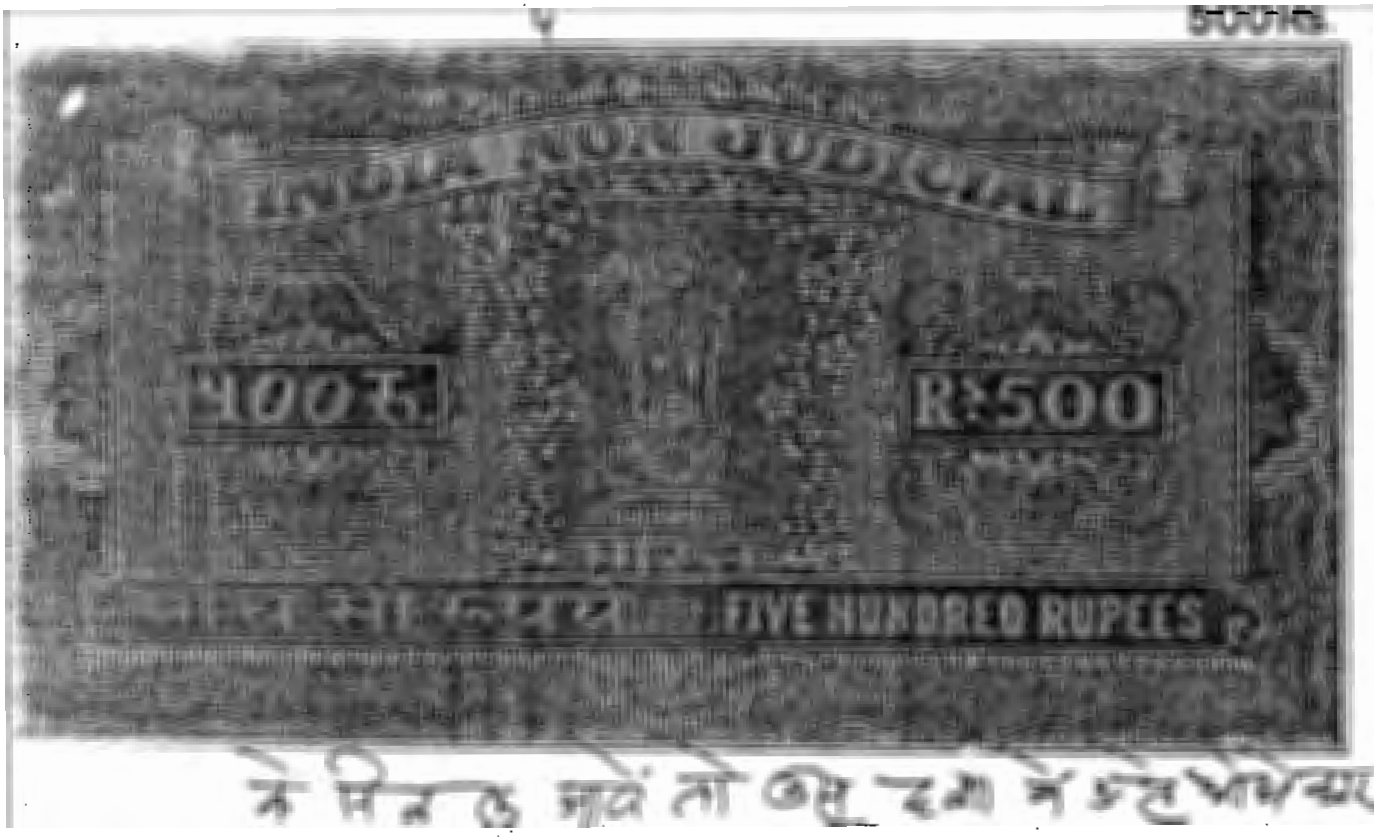

के मिल जावें तो कोई रकम में इसे भोजवार

हासिल कर लेवें कि वह अपना कुल
मुतालबा निस्बत जर समन मय खर्चा व सूद
कानूनी हमारी दीगर जात व जायदाद से वसूल
कर लेवें इसमें हम मुकिरा या वरसाय
हम मुकिरा को न कोई उज्र व एतराज
है और न कभी होगा कुल जर समन
मु० 20,000) रुपया पूर्व रजिस्ट्री नकद
वसूल कर पा कर यह बैनामा लिखे लिख
देते हैं कि समय बै का० ओवा
सरकारी कीमत मु० 496,000 रुपये है

नौमालिका देवी

100Rs.

जमीन मुख्य सड़क से दूर है अगल बगल काश्तकारो की और जमीनें हैं। कोई रास्ता चौहद्दी में नहीं है। क्रेता व विक्रेता अनु. जाति के नहीं है।

तफसील आराजी वाका मौजा रुस्तमपुर तप्पा व परगना हवेली तहसील सदर गोरखपुर -
आ० नं० 13/2/2 मि० तेरह बटा दो बटा दो रकबा १०.४६ हे० जो ४५६५.३३ वर्ग फिट के होता है इसकी चौहद्दी

नौमल्ले मादेवी

100Rs.

6

INDIA NON JUDICIAL

सत्यमेव जयते

भारत

१०० रु.   Rs.100

एक सौ रुपये   ONE HUNDRED RUPEES

मौके का बैनामा किया।

पूरब — जमीन एवं टिन शेड (?) श्री दुर्गावती देवी पत्नी श्री प्रिया कान्त ओझा।

पश्चिम — जमीन मुश्तरी मजकूर।

उत्तर — जमीन मुश्तरी मजकूर।

दक्षिण — मकान दीवार शारवस।

नौमीलिका देवी

1 (signature)
कृष्ण मोहन दुबे
s/o श्री जोगमती प्रसाद दुबे
रुस्तम पुर गोरखपुर

2 (signature)
S/o श्री सूर्यनारायण [illegible]
100 B. [illegible]
गोरखपुर

महेश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव
एडवोकेट
22-2-07